सांध्य दैनिक

# 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 12 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 13 फरवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

साधारण चीजें ही सबसे असाधारण होती हैं, और सिर्फ बुद्धिमान लोग ही उन्हें देख सकते हैं।

-पाओलो कोएलो


जम्मू-कश्मीर ने रोजगार और प्यार चाहा... 7 | अब नई रणनीति के जरिए 2024... 3 | एक-दूसरे से नफरत करना हिंदुत्व... 2


# सदन में फिर भारी हंगामा : लोकसभा और राज्यसभा में जमकर नारेबाजी

## राज्यसभा की कार्यवाही 13 मार्च तक स्थगित

» बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन भी छाए रहे हिंडनबर्ग और भाषण हटाने के मुद्दे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के पहले चरण का आज आखिरी दिन है। पहले दिन से आज आखिरी दिन आ गया, दिन बदले लेकिन सदन में हालात नहीं बदले। आज की कार्यवाही की शुरूआत भी एक बार फिर विपक्ष के जोरदार हंगामे के साथ हुई। संसद के दोनों सदनों में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट और राहुल गांधी को नोटिस भेजने जैसे मुद्दों पर विपक्ष का हंगामा देखने को मिला। इस बीच एलओपी मल्लिकार्जुन खरगे के भाषण के कुछ अंश रिकॉर्ड से निकाले जाने को लेकर भी विपक्षी सांसद भड़क गए और सभापति के आसन के पास तक पहुंच गए। लगातार बढ़ते हंगामे को देखते हुए सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा की कार्यवाही को 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया। हालांकि, लोकसभा की कार्यवाही जारी है, जहां विपक्ष का हंगामा भी लगातार चल रहा है।

सांसदों के नारेबाजी के बीच राज्यसभा सभापति ने विपक्ष के नेता खरगे से कहा कि विपक्ष के नेता आपने इतने शब्दों में संकेत दिया है कि अध्यक्ष दबाव में काम कर रहे हैं। इन शब्दों को हटा दिया गया है। आप सदन के पटल पर बने रहने के अपने अधिकार का हनन कर रहे हैं। हर बार आप कह रहे हैं कि अध्यक्ष दबाव में काम कर रहे हैं।

### वेल में पहुंचे संजय सिंह समेत कुछ सांसद

राज्यसभा में हंगामे के दौरान एक दृष्य ये भी देखने को मिला जब आप सांसद राघव चड्ढा, संजय सिंह, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, शक्ति सिंह गोहिल, संदीप पाठक और कुमार केतकर सहित कई अन्य सांसद वेल में पहुंच गए। इसके बाद सभापति ने सभी सांसदों को चेतावनी जारी की।

### प्रधानमंत्री पर आरोप लगाना सही नहीं : निशिकांत दुबे

वहीं भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए लोकसभा में कहा कि बिना स्पीकर को नोटिस दिए आप हमारे पीएम पर इस तरह के आरोप नहीं लगा सकते। नोटिस में हमने राहुल गांधी को 15 फरवरी तक स्पीकर को सबूत दिखाने के लिए कहा है, जो उनके दावों को साबित कर सकता है या उन्हें संसद में माफी मांगनी चाहिए, अन्यथा वह अपनी लोकसभा सीट खो देंगे।

### राहुल ने कुछ भी असंसदीय नहीं कहाः खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राहुल गांधी को लोकसभा सचिवालय के नोटिस पर कहा कि राहुल गांधी ने संसद में जो कुछ भी कहा था वह पहले से पब्लिक डोमेन में है, जो सभी लोग बोलते-लिखते हैं वही बात उन्होंने कही है। इसमें कुछ भी असंसदीय नहीं है। इसलिए वह उसी हिसाब से नोटिस का जवाब देंगे। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि चूंकि आज संसद में बजट सत्र के पहले भाग का आखिरी दिन है, हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि हम इस अदाणी मुद्दे को कैसे सुलझा सकते हैं। अन्य दलों के नेताओं की भी इस पर राय लेंगे।

### चीन मुद्दे पर चर्चा चाहते हैं मनीष तिवारी

बता दें कि कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सोमवार को लोकसभा में चीन के अतिक्रमण के मुद्दे पर चर्चा के लिए स्थगन नोटिस पेश किया। नोटिस में उन्होंने कहा अप्रैल 2020 से चीन लगातार हमारी जमीन हड़पने में लगा हुआ है। 16 जनवरी 2023 तक भारत और चीन के बीच कमांडर स्तर की 17 दौर की वार्ता हो चुकी है, इसमें थोड़ी सफलता मिली है। जबकि चीन अपने सैनिकों के लिए पुलों, सड?ों और आवास सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण करना जारी रखे है। चीन एकतरफा यथास्थिति को बदलने का प्रयास कर रहा है।

### यूपी के सांसद ने उठाया बंगाल में पीएम आवास योजना में भ्रष्टाचार का मुद्दा

उत्तर प्रदेश से भाजपा के राज्यसभा सदस्य डॉक्टर राधा मोहन दास अग्रवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकानों के वितरण में बंगाल सरकार के द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार का मुद्दा शून्य काल में उठाते कहा कि आज मूर्शिदाबाद, 24 परगना उत्तरी तथा दक्षिणी, पुरूलिया, बांकूडा, हुबली, पूर्वा वर्धमान तथा मेदनीपुर में सत्ताधारी दल के कार्यकर्ता ही विरोध कर रहे हैं और उन पर लाठियां भांजी जा रही है। डॉक्टर अग्रवाल ने कहा कि मोदी जी ने 1 अप्रैल 2016 को ग्रामीण नागरिकों को निशुल्क मकान देने की योजना शुरू की। 2.94 करोड़ मकान के सापेक्ष 3.15 करोड़ आवेदन स्वीकार किए गए और अब तक 2.80 लाख करोड़ की लागत से 2.83 करोड़ मकान स्वीकृत किए गए और 2.13 करोड़ मकान लाभार्थियों को सौंप भी दिए गए। डॉ अग्रवाल ने कहा कि नवम्बर 2022 में भारत सरकार ने पत्र लिखकर बंगाल के अधिकारियों को घूस और भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टालरेंस की नीति अपनाने तथा वरिष्ठ अधिकारियों की टीम बनाकर जांच कराने के लिए कहा। लेकिन सरकार का राजनैतिक भ्रष्टाचार पूर्ववत जारी है।

# रक्षा क्षेत्र में देश नई ऊंचाई को छू रहा है : मोदी

» पीएम बोले-यही है न्यू इंडिया की हकीकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

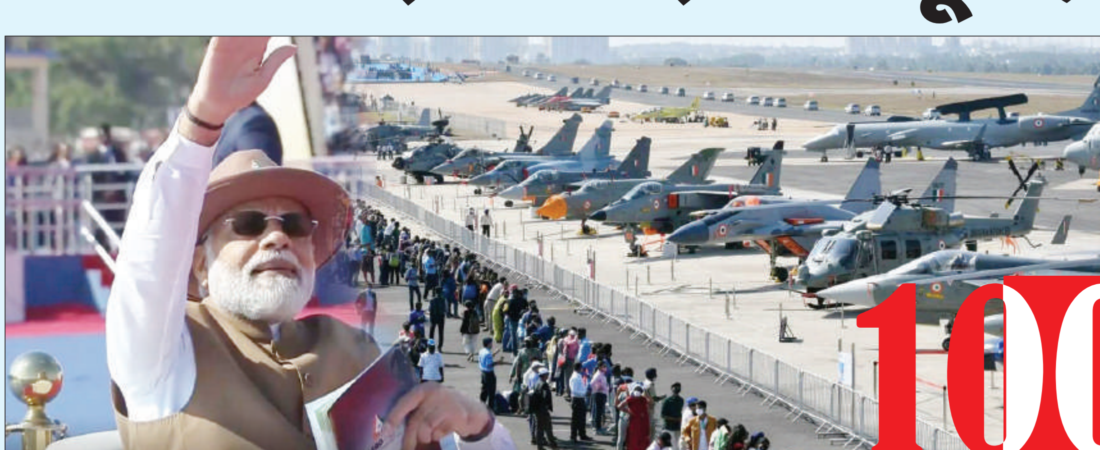

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज बेंगलुरु के येलहनका स्थित वायुसेना स्टेशन में 'एयरो इंडिया 2023' के 14वें संस्करण का उद्घाटन किया। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने पीएम के सामने प्रस्तुत किए जाने वाले एयर शो 'गुरुकुल' फॉरेमेशन की अगुवाई की। उन्होंने यहां स्वदेशी एयरक्रफ्ट को उड़ाया। इस दौरा पीएम मोदी ने कहा, बेंगलुरु का आसमान इस बात का गवाह है कि देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यही न्यू इंडिया की हकीकत है।

उन्होंने कहा, एयरो इंडिया 2023 का शो भारत की ग्रोथ स्टोरी का उदाहरण है। इस वर्ष एयरो इंडिया शो में 100 से अधिक देशों की भागीदारी नए भारत में दुनिया के भरोसे को दर्शाती है। पीएम ने कहा, यह भारत की बढ़ती क्षमताओं का एक उदाहरण है। यहां करीब 100 देशों की मौजूदगी यह बताती है कि दुनिया का भरोसा भारत पर बढ़ रहा है। भारत और विश्व के 700 से ज्यादा प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। इसने बीते सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पीएम ने कहा, आज भारत दुनिया में रक्षा कंपनियों के लिए मात्र बाजार नहीं है, भारत आज एक संभावित रक्षा साझेदार है। यह साझेदारी उन राष्ट्रों के साथ है जो रक्षा क्षेत्र में काफी आगे हैं। भारत आज उन राष्ट्रों के लिए अहम है जो अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए एक भरोसेमंद साथी की तलाश कर रहे हैं। आज भारत की संभावनाओं और सामर्थ्य का प्रमाण हमारी सफलताएं दे रही हैं। आकाश में गर्जना करते तेजस विमान मेक इन इंडिया की सफलता का प्रमाण है। 21वीं सदी का नया भारत अब न कोई मौका खोएगा और न ही अपनी मेहनत में कोई कसर छोड़ेगा। हम कमर कस चुके हैं। भारत ने बीते 8-9 वर्ष में रक्षा के क्षेत्र का कायाकल्प किया है।

**100** से अधिक देशों की एयरो इंडिया शो में भागीदारी नए भारत में दुनिया के भरोसे को दर्शाती है।

## ठाकरे ने भाजपा पर हिंदुओं के बीच दरार पैदा करने का लगाया आरोप

# एक-दूसरे से नफरत करना हिंदुत्व नहीं

» उद्धव का भाजपा पर हमला, कहा- अटल जी ने जब 'राजधर्म' की बात की थी तो बाल ठाकरे ने पीएम मोदी को बचाया था

» अकाली दल और शिवसेना को नहीं चाहती भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी पर विभाजनकारी हिंदुत्व को लेकर निशाना साधा। उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां तक नहीं पहुंचते अगर बाल ठाकरे ने उन्हें तब बचाया नहीं होता जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें ''राजधर्म'' का पालन करने की नसीहत दी थी। उन्होंने कहा कि शिवसेना ने 25-30 वर्षों तक एक राजनीतिक नेतृत्व की रक्षा की, लेकिन वे (भाजपा) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पूर्व सहयोगी शिवसेना और अकाली दल को नहीं चाहते थे।

उन्होंने मुंबई में उत्तर भारतीयों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं भाजपा से अलग हो गया, लेकिन मैंने हिंदुत्व को कभी नहीं छोड़ा। भाजपा हिंदुत्व नहीं है। हिंदुत्व क्या है, उत्तर भारतीय इसका जवाब चाहते हैं। एक-दूसरे से नफरत करना हिंदुत्व नहीं है। ठाकरे ने भाजपा पर हिंदुओं के बीच दरार पैदा करने का आरोप लगाया।

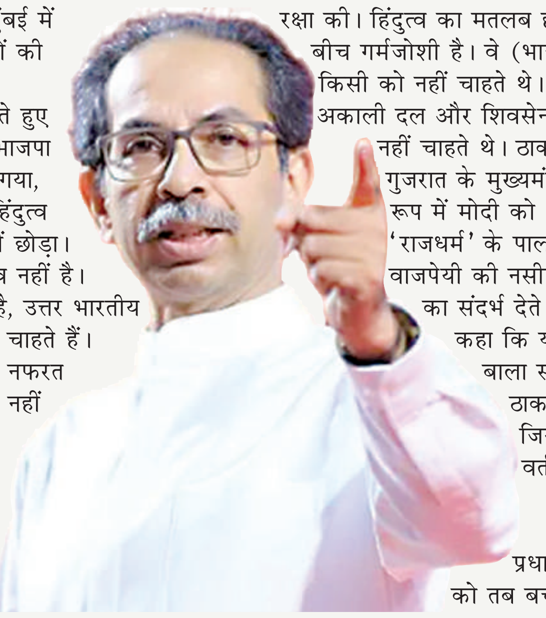

उन्होंने कहा कि 25-30 साल तक शिवसेना ने राजनीतिक मित्रता की रक्षा की। हिंदुत्व का मतलब हमारे बीच गर्मजोशी है। वे (भाजपा) किसी को नहीं चाहते थे। वे अकाली दल और शिवसेना को नहीं चाहते थे। ठाकरे ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी को 'राजधर्म' के पालन की वाजपेयी की नसीहत का संदर्भ देते हुए कहा कि यह बाला साहेब ठाकरे थे जिन्होंने वर्तमान प्रधानमंत्री को तब बचाया था जब अटलजी चाहते थे कि नरेंद्र मोदी 'राजधर्म' का सम्मान करें। तब बालासाहेब ने यह कहते हुए हस्तक्षेप किया था कि यह समय की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो वह (मोदी) यहां तक नहीं पहुंच पाते। गौरतलब है कि वाजपेयी ने 'राजधर्म' की नसीहत वर्ष 2002 के गुजरात दंगों के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को बचाने के लिए दी थी। उन्होंने कहा कि शिवसेना के संस्थापक ने कभी नफरत नहीं पाली। उन्होंने कहा कि हिंदू होने का मतलब कभी भी मराठी होना और उत्तर भारतीयों से नफरत करना नहीं था। बालासाहेब ठाकरे ने कभी भी हिंदुओं और मुसलमानों के बीच अंतर नहीं किया। उनका मानना था कि जो लोग देश के खिलाफ काम करते हैं, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, उन्हें सजा मिलनी चाहिए। और यही हमारा हिंदुत्व है। भाजपा का मतलब हिंदुत्व नहीं है; मैं हिंदुत्व के उनके संस्करण में विश्वास नहीं करता।

### अपनी गरिमा की रक्षा के लिए भाजपा से अलग हुआः उद्धव

ठाकरे ने कहा कि वह अपनी गरिमा की रक्षा के लिए भाजपा के साथ गठबंधन से बाहर चले गए और 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की सरकार बनाने के लिए राकांपा और कांग्रेस से हाथ मिला लिया। उन्होंने बाला साहेबंची शिवसेना गुट से संबंधित मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के बागी विधायकों के संदर्भ में कहा कि अगर मैं भाजपा से अलग नहीं हुआ होता, तो मैं अपने गले में पट्टा बांधकर रखने वाला गुलाम होता, जैसे मेरे कुछ लोग अब बन गए हैं।

### बदनाम करने वाले एक अभियान के शिकार हो गए हैं : ठाकरे

ठाकरे ने कहा कि वह बदनाम करने वाले एक अभियान के शिकार हो गए हैं। जब भी वह उत्तर भारतीयों या मुसलमानों से मिलते हैं, तो उनके हिंदुत्व पर सवाल उठाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि आपसे मेरी मुलाकात की आलोचना की जाती है। अगर मैं मुसलमानों से मिलता हूं, तो कहा जाता है कि मैंने हिंदुत्व छोड़ दिया है। दो दिन पहले जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुंबई आए तो किसकी रसोई में गए?

## जयंत चौधरी ने मथुरा में पीएम मोदी पर कसा तंज, बोले

# अकेला सब पर भारी, पीएम हमारा अहंकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। किसानों और युवाओं के लिए भाजपा सरकार ने कुछ नहीं किया। युवाओं के लिए अग्निवीर योजना धोखा है। किसानों के लिए खेती घाटे का सौदा है। सरकार को बाहर का रास्ता दिखाने का आह्वान करते हुए रालोद के मुखिया जयंत चौधरी ने भरे मंच पर किया। वहीं देश के पीएम की भाषा अहंकार की भाषा है। अकेला सब पर भारी, पीएम अहंकारी। ये बातें भी जयंत चौधरी ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहीं।

बलदेव के गांव जटौरा में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने पूर्व रालोद अध्यक्ष स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह के जयंती के उपलक्ष्य में समरसता कार्यक्रम में उपस्थित हुए। जयंत ने ग्रामीणों के साथ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा वर्तमान भाजपा सरकार में युवाओं और किसानों को कुछ नहीं मिला। केवल खोखले वायदे मिले। युवाओं को रोजगार के नाम पर बेरोजगारी मिली। नौकरी के नाम अग्निवीर योजना युवाओं के लिये धोखा है। काम करने की उम्र में रिटायर करेगी सरकार तो इससे बड़ा धोखा क्या हो सकता है, लेकिन सरकार ने किसी नहीं सुनी और योजना लागू कर यद्युवाओं के सपनों को चकनाचूर कर दिया।

किसानों को पहले कृषि कानून लागू करने का जबरन प्रयास किया। जब किसान 13 महीने तक सड़कों पर आंदोलन करते रहे तब सरकार ने माना और कानून वापस लिए। किसानों की आय दोगुनी करने का झूठा और खोखला वायदा बार बार किया। लेकिन आज तक आय दोगुनी तो दूर की बात है। किसानों के लिये खेतीबाड़ी घाटे का सौदा हो गई है। देश के प्रधानमंत्री छाती ठोककर संसद में कहें कि एक अकेला सब पर भारी है। इससे बड़ा और क्या अहंकार, घमंड क्या हो सकता है।

# फोन टैपिंग मामले में गहलोत के ओएसडी को नोटिस

» पहले दो बार लोकेश शर्मा से पूछताछ कर चुकी है क्राइम ब्रांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के फोन टैपिंग मामले में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा को जांच में शामिल होने के लिए क्राइम ब्रांच ने नोटिस भेजा है। उन्हें 13 फरवरी को क्राइम ब्रांच के रोहिणी स्थित कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। वह जांच में शामिल होंगे तो तीसरी बार उनसे पूछताछ की जाएगी। पहले दो बार की पूछताछ में क्राइम ब्रांच उनके जवाब से संतुष्ट नहीं हुई। पिछले साल 14 मई को क्राइम ब्रांच ने रोहिणी स्थित अपने कार्यालय में बुलाकर करीब दो घंटे तक लोकेश शर्मा से पूछताछ की थी। उनसे 25 से ज्यादा सवाल पूछे गए थे। किसी भी सवाल का उन्होंने संतोषप्रद जवाब नहीं दिया था। इससे पहले दिसंबर 2021 में उनसे पहली बार पूछताछ की गई थी।

क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि लोकेश शर्मा लगातार झूठ बोले रहे हैं। 2021 में दिल्ली हाई कोर्ट ने उन्हें क्राइम ब्रांच को जांच में सहयोग करने के लिए कहा था लेकिन उन्होंने कोई सहयोग नहीं किया।

## बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

# केरल के सीएम का गृह मंत्री शाह पर हमला, बोले- केरल में सब सही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला और कहा कि उन्हें विस्तार से बताना चाहिए कि केरल में वह किस तरह का खतरा देख रहे हैं। शाह ने शनिवार को कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के अपने दौरे केरल में एनआईए की ओर से पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ उठाए गए कदमों का संदर्भ दिया। उन्होंने लोगों से कहा कि बगल में केरल की हालत देखते हुए कर्नाटक के लोगों को भाजपा को वोट देना चाहिए।

इसके जवाब में केरल के मुख्यमंत्री ने रविवार को कोट्टायम में माकपा के कार्यक्रम में कहा, भाजपा शासित राज्यों में अल्पसंख्यकों

को नियमित रूप से निशाना बनाया जाता है जबकि वामशासित केरल में वे शांतिपूर्वक जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा, केरल की स्थिति सबको पता है। अमित शाह को स्पष्ट बताना चाहिए कि यहां क्या गलत है। कर्नाटक में अल्पसंख्यकों को व्यापक हमले का सामना करना पड़ रहा है जबकि केरल में वे पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, केरल एकमात्र राज्य है जहां संघ परिवार का दुष्प्रचार काम नहीं कर रहा।

# अब नई रणनीति के जरिए 2024 को साधने की तैयारी में बसपा

» पार्टी को बचाने के लिए अब युवाओं पर दांव लगाएंगी मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वैसे तो लोकसभा चुनाव में अभी एक साल से भी ज्यादा का वक्त शेष है। लेकिन सभी राजनीतिक दल अभी से ही अपनी-अपनी रणनीति तैयार करने में जुट गए हैं। पिछले कुछ सालों से उत्तर प्रदेश की राजनीति में हाशिये पर खड़ी बहुजन समाज पार्टी भी अभी से ही 2024 के चुनाव के लिए अपनी रणनीति को बनाने में लग गई है। मायावती के लिए 2019 का लोकसभा और 2022 का विधानसभा चुनाव काफी बुरा गुजरा। 2022 के विधानसभा में तो जो हुआ उसकी उम्मीद खुद मायावती ने भी कभी सपने में भी नहीं की होगी।

वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा अपनी प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी के साथ सारे गिले-शिकवे भुलाकर चुनावी मैदान में उतरी थी, लेकिन फिर भी उसे मन माकिफ सफलता हाथ नहीं लगी। हालांकि, सपा से ज्यादा लाभ बसपा को मिला और पार्टी के 10 सांसद सदन के अंदर पहुंचे। मगर 2022 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक विधायक का जीतना पार्टी और मायावती के लिए एक बड़ा झटका है। ऐसे में अब मायावती 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर कोई कमी नहीं रखना चाहतीं। नतीजन पार्टी ने अभी से ही अपनी रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। 2024 के लिए बसपा का पहला लक्ष्य अपनी इन 10 सीटों का बचाव करना है, जो उसने 2019 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में लड़कर जीती थीं। इन 10 सीटों को बचाने के लिए बसपा ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। अब पार्टी युवाओं को संगठन में तरजीह देकर उसे साधने की कोशिश में है। हर राजनीतिक दल चुनावों में युवाओं को ही अपना हथियार बनाना चाहता है। अब मायावती भी इसी रणनीति पर आगे बढ़ रही हैं। वहीं इससे इतर पार्टी फिर से गांव चलो की रणनीति पर भी काम शुरू कर रही है। ताकि 2024 में वो इसका भी पूरा फायदा उठा सके। वैसे भी ग्रामीण क्षेत्रों में बसपा का काफी सॉलिड वोट बैंक है।

## सभी कमेटी में 50 फीसदी युवाओं को मिलेगी जगह

यूपी बसपा के नए अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कहना है कि पार्टी की सभी कमेटी में 50 फीसदी युवाओं को जगह दी जाएगी। पाल ने कहा कि मायावती के आदेश के मुताबिक पार्टी में सभी जगहों पर युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि बसपा फिर से अपनी पुरानी रणनीति 'चलो गांव की ओर' पर भी काम कर रही है और हम लोगों से संपर्क साध रहे हैं। कांशीराम के वक्त में बसपा लोगों से सीधे संपर्क साधने के लिए गांव चलो की रणनीति पर काम करती थी। बसपा की इस रणनीति के बाद संभव है कि पार्टी आगामी चुनाव में 50 फीसदी टिकट युवाओं को थमा सकती है। वहीं संगठन में भी युवाओं को ज्यादा तरजीह दी जाएगी। ताकि युवाओं की बात को मायावती तक आसानी से पहुंचाया जा सके।

## 2019 में सिर्फ 10 सीटों पर मिली थी जीत

2024 में बसपा का जिन सीटों पर सबसे ज्यादा ध्यान होगा उनमें वो 10 सीटें शामिल हैं जहां 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा को सपा के साथ गठबंधन करके जीत मिली थी। 2019 में सपा के साथ मिलकर मायावती ने 38 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे था। लेकिन जीत इनमें से सिर्फ 10 पर ही उसे मिली थी। जिन 10 सीटों पर 'हाथी' ने अपनी सूड़ फिराई थी, उनमें बिजनौर, नगीना, अमरोहा, अंबेडकरनगर, गाजीपुर, श्रावस्ती, लालगंज, सहारनपुर, घोषी और जौनपुर की सीट शामिल है। इनमें से अधिकांश सीटों पर मुस्लिम, ओबीसी और दलित वोटरों का प्रभाव है, जो गठबंधन की वजह से बसपा जीती थी। वहीं मेरठ और मोहनलालगंज सीट पर बसपा के उम्मीदवार 5 हजार से भी कम वोट से हारे थे। ऐसे में 2024 में मायावती का फोकस इन 12 सीटों पर अधिक है। वहीं 2022 के विधानसभा में मायावती को जो जोरदार झटका लगा है, उससे उबरना भी उनके लिए बहुत जरूरी है। 2022 में 403 में से पार्टी के 290 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी।

## चंद्रशेखर बन सकते हैं बड़ा खतरा

एक ओर जहां कुछ सालों में बसपा कमजोर पड़ी है, तो वहीं बसपा के ही वोट बैंक को हथियाने के लिए चंद्रशेखर आजाद की भीम आर्मी काफी बढ़कर सामने आई है। यूपी के दलितों के बीच चंद्रशेखर आजाद का सियासी रसूख काफी बढ़ा है। चंद्रशेखर भाजपा और पीएम मोदी पर भी अक्सर आक्रामक रुख अपनाते रहते हैं। ऐसे में मायावती के कमजोर पड़ने का पूरा फायदा चंद्रशेखर ने उठाया है। शुरू में तो मायावती ने चंद्रशेखर को विपक्षी पार्टियों का एजेंट बताकर उनसे पल्ला झाड़ लिया, लेकिन खतौली उपचुनाव के बाद बसपा की टेंशन बढ़ गई है। चंद्रशेखर दलित युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं और उनके मुद्दे उठाने को लेकर कई बार जेल भी जा चुके हैं। हाल ही में खतौली और यूपी में हुए कुछ एक उपचुनावों में चंद्रशेखर सपा और रालोद के गठबंधन से मिलकर चुनाव लड़े और इस प्रयोग का फायदा भी मिला। ऐसे में 2024 में चंद्रशेखर मायावती के लिए एक बड़ा खतरा बन सकते हैं।

## पार्टी में नहीं है अब कोई बड़ा चेहरा

बसपा के लिए एक बड़ी चुनौती उसके बड़े चेहरों का पार्टी से मोहभंग होना भी है। दरअसल, बसपा एक लंबे अरसे से सत्ता से दूर है। दूसरे चुनाव दर चुनाव पार्टी का प्रदर्शन भी गिरता जा रहा है, ऐसे में पार्टी में पहले से शामिल कई बड़े नेता भी अब उससे दूरी बनाने लगे। नतीजन वर्तमान समय में पार्टी के पास खुद मायावती और सतीश चंद्र मिश्रा को छोड़कर कोई भी बड़ा चेहरा नहीं है। जिसके दम पर उसे वोट मिल सके। 2012 के बाद से जबसे मायावती से सत्ता दूर हुई है, तब से . कुछ नेता खुद पार्टी छोड़ चुके हैं, तो कुछ मायावती निकाल चुकी हैं। ऐसे गए नेताओं की एक लंबी फेहरिस्त है। जिसमें स्वामी प्रसाद मौर्य, आरके चौधरी, इंद्रजीत सरोज, ब्रजेश पाठक, राम अचल राजभर, लालजी वर्मा, नसिमुद्दीन सिद्दीकी और मिठाई लाल भारती जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं।

# गहलोत का चुनावी बजट: किसानों, युवाओं और महिलाओं सभी को साधने का प्रायस

» फ्री कल्चर का प्रभाव, बजट में काफी कुछ 'मुफ्त'

» इसी साल राजस्थान में होने हैं विधानसभा चुनाव

किसानों का रखा ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में इसी साल चुनाव होने हैं। ऐसे में 10 फरवरी को जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा में बजट पेश किया तो इस बात का पूरा ख्याल रखा। इसलिए इस बजट में दूर से ही चुनाव की खुशबू आ रही है। वहीं विपक्षी दल भाजपा ने भी गहलोत के इस बजट को चुनावी बजट बता दिया। चुनाव को ध्यान में रखते हुए सीएम गहलोत ने मुफ्त और फ्री का खूब ऐलान किया। वैसे भी आजकल के राजनीतिक माहौल में फ्री, मुफ्त या रेवड़ी जैसे शब्दों का कल्चर है।

अपने बजट में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी जनता को काफी कुछ फ्री देने का ऐलान किया। गहलोत द्वारा बजट में सबके लिए 100 यूनिट प्रति माह और किसानों के लिए 2000 यूनिट तक बिजली मुफ्त देने का ऐलान किया गया। पहले यहां आम आदमी के लिए प्रतिमाह 50 यूनिट और किसानों के लिए 1000 यूनिट तक बिजली मुफ्त थी। गहलोत सरकार ने यह भी घोषणा की कि राजस्थान में उज्ज्वला योजना के लाभार्थी 500 रुपये में गैस सिलेंडर प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना में आर्थिक रूप से गरीब परिवार से भी अब सरकार अगले साल से 850 रुपए प्रीमियम नहीं लेगी। चिरंजीवी योजना के तहत सरकारी और निजी अस्पतालों में 10 लाख रुपये की जगह अब 25 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त किया जाएगा। ऐसे में सवाल उठता है कि ये सभी मुफ्त योजनाएं सरकार के काम आएंगी या नहीं? ये नतीजे आने के बाद साफ हो सकेगा। अपने इस चुनावी बजट में गहलोत ने हर वर्ग को साधने का भी प्रयास किया है। इसी क्रम में किसानों का भी गहलोत ने पूरा ध्यान रखा है। बजट में 23 लाख किसानों को मुफ्त बीज किट देने की घोषणा कर किसानों की लागत कम करने का प्रयास किया गया है। इससे बाजार में महंगाई पर भी लगाम लगेगी और अनाज-सब्जी आदि सस्ते में उपलब्ध होंगे। बजट में गहलोत ने महिलाओं का भी पूरा ध्यान रखने का प्रयास किया है। इस बार गहलोत ने महिलाओं को रोडवेज की बसों में सफर करने पर किराये में रियायत बढ़ा दी है। अब तक तीस फीसदी छूट दी जाती थी, जिसे बढ़ाकर अब 50 फीसदी करने का ऐलान किया गया है। उज्जवला योजना के लाभार्थियों को अब 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने की घोषणा की गई है। इस घोषणा का महिलाओं ने स्वागत किया है। किराए में छूट, गैस सिलेंडर में छूट, बिजली बिल में छूट देने की घोषणा करके गहलोत ने प्रदेश के हर परिवार को राहत देने का प्रयास किया लेकिन राज्य सरकार का इनकम सोर्स क्या होगा। इसके बारे में कुछ नहीं बताया गया है।

## कर्मचारियों को सबसे बड़ा गिफ्ट

अशोक गहलोत ने इस बजट में राज्य में बोर्ड और निगमों के कर्मियों के लिए भी पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की घोषणा की। गहलोत ने इसका विस्तार करते हुए अब राज्य सरकार के बोर्ड, निगम, अकादमियों और विश्वविद्यालयों के कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इससे एक लाख से ज्यादा कर्मचारियों को फायदा होगा। अपने बजट भाषण में साथ ही कार्मिकों को पूर्ण पेंशन प्राप्त करने के लिए वर्तमान अर्हक सेवा की अवधि को 28 वर्ष से घटाकर 25 वर्ष करने का प्रस्ताव रखा। बजट में कहा कि कार्मिकों और पेंशनर्स की कैशलेस चिकित्सा के लिए लागू की गई राजस्थान 'गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम' देश की सर्वाधिक सुविधा वाली कार्मिक चिकित्सा योजना है। इसके अंतर्गत पेंशनर्स को देय सुविधा को और बढ़ाने की दृष्टि से ओपीडी हेतु निर्धारित 20 हजार रुपये प्रतिवर्ष की सीमा को बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रतिवर्ष करना प्रस्तावित करता हूं।

## अपने गृह नगर में गहलोत ने खोला पिटारा

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनावी साल में अपने गृह नगर जोधपुर को बड़ी सौगातें दी हैं। उन्होंने अपने पिछले साल के बजट में खुद की विधानसभा सरदारपुरा में ट्रैफिक को सुचारू करने के लिए एलिवेटेड रोड की घोषणा की थी लेकिन वह घोषणा अधूरी है। फिर भी शहर की प्रमुख सड़कों को दुरुस्त करने के लिए कॉक्स कुटीर से लूणी पंचायत समिति भवन तक 135 करोड़ रुपए खर्च कर फ्लाईओवर बनाए जाएगा। वहीं, नहर चौराहे पर 80 करोड़ की लागत से दूसरा फ्लाईओवर बनाया जाएगा। पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े मथुरादास माथुर अस्पताल में 100 बेड का कॉटेज वार्ड बनेगा। इस पर 100 करोड रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा लूणी में कन्या महाविद्यालय अणवाणा ओसिया में आईटीआई कॉलेज, जोधपुर में सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक, बिलाड़ा,पीपाड़, बालेसर में खेल स्टेडियम, जोधपुर में एक अतिरिक्त प्रादेशिक परिवहन कार्यालय, ओसियां के नांदिया खुर्द शेरगढ़ के खुडियाला में पुलिस चौकी खोलने की घोषणा की गई। 15 करोड़ की लागत से नया डाक बंगला बनाया जाएगा। जोधपुर में 500 करोड रुपए की लागत से मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी, 75 करोड़ रुपए से मेजर शैतान सिंह म्यूजियम, जोधपुर में गोल्फ कोर्स, 25 करोड़ की लागत से महात्मा गांधी दिव्यांग विश्वविद्यालय, जोधपुर में 10 करोड़ की लागत से तारामंडल, सलीम दुरानी आवासीय स्पोर्ट्स स्कूल, 50 करोड रुपए की लागत से रोबोटिक सर्जरी यूनिट, जोधपुर में ऑर्गेनिक प्रोडक्ट मार्ट, साइकेट्रिक काउंसलिंग सेंटर, कुरजा संरक्षण, इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑडिटोरियम सहित कई घोषणाएं जोधपुर को मिली।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# राज्यपाल फेरबदल से चुनावी बिसात बिछाने की तैयारी

*राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा एक बड़ा फेरबदल किया गया। जिसके अंतर्गरत 13 राज्यों के राज्यपाल और उपराज्यपालों का बदलाव किया गया है। जिन 13 राज्यों के राज्यपालों का फेरबदल हुआ है, उनमें असम, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, झारखंड, हिमाचल, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, आंध्रप्रदेश, मणिपुर, नागालैंड, मेघालय, बिहार और लद्दाख के उपराज्यपाल शामिल हैं। इन राज्यों में उन राज्यों के नाम भी शामिल हैं, जिनमें इसी साल चुनाव होने हैं। ऐसे में अपनी राजनीतिक बिसात बिछाने में माहिर भाजपा ने कहीं न कहीं इस फेरबदल के जरिए अपनी रणनीति को भी धार देने का काम किया है। लेकिन इस बीच जो नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है वो असम के नवनियुक्त राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया। गुलाब चंद कटारिया राजस्थान में भाजपा का बड़ा चेहरा हैं और इस समय भी वो विधानसभा में नेता विपक्ष की भूमिका निभा रहे थे।*

*राजस्थान में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। विधानसभा में नेता विपक्ष और 9 बार के विधायक रहे गुलाब चंद कटारिया इस बार चुनाव में पार्टी का बड़ा चेहरा माने जा रहे थे। वहीं भाजपा के अंदर की अंतर्कलह भी अब किसी से छिपी नहीं है। हमेशा भाजपा का सीएम फेस रहने वाली वसुंधरा राजे पिछले पांच साल से सत्ता से हटने के बाद बिल्कुल गायब ही हो गई हैं। जिसके कारण इस बार उनके नाम को लेकर पार्टी के अंदर भी माहौल ठीक नहीं है। इस बात से बेशक भाजपा हाईकमान भी भली-भांति वाकिफ है। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया और वरिष्ठ नेता ओम माथुर से आगे गुलाब चंद कटारिया का नाम आ रहा था, जो इस बार भाजपा का सीएम फेस हो सकते थे। वैसे इसमें कोई दोराय नहीं है अगर वसुंधरा राजे के अलावा किसी और का नाम भाजपा घोषित करती तो उसे उसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। ऐसे में गुलाब चंद कटारिया प्रमुख दावेदारों में थे। लेकिन चुनाव से ठीक पहले कटारिया को राज्यपाल बनाकर असम भेजकर भाजपा ने प्रदेश में कई तरह की राजनीतिक उधेड़पन को दूर कर दिया है। कटारिया की विदाई से बीजेपी ने एक तीर से दो निशाने साधे हैं। एक तो चुनावी घमासान में कद्दावर नेताओं की सूची में से एक नाम हटने से पार्टी को प्रदेश की गुटबाजी को काबू करने में मदद मिलेगी, तो दूसरी तरफ खाली हुई नेता प्रतिपक्ष की सीट पर असंतुष्ट गुट के विधायक का नाम आगे किया जा सकता है। गुलाब कटारिया के राज्यपाल बनने के बाद अब आगे राजस्थान बीजेपी के अंदर चल रही राजनीतिक गुटबाजी में कई चीजें बदलेंगी। कटारिया और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की सियासी अदावत भी किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में कटारिया के सक्रिय राजनीति से हटने के बाद वसुंधरा गुट को थोड़ी राहत जरूर मिलेगी। वैसे भी सक्रिय राजनीति से एक नेता के रिटायर होने के बाद कई के लिए अवसर बनते हैं।*

**“ एक बात ये भी साफ है कि राजस्थान बीजेपी में दिग्गज नेता भले ही अपने-अपने खेमे बना रखे हों, लेकिन पार्टी की सियासत में अभी केंद्रीय हाईकमान बहुत मजबूत है। ऐसे में नए नेता प्रतिपक्ष से लेकर अगले विधानसभा चुनावों में चेहरे तक का फैसला पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से होना है। बीजेपी में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे से लेकर सतीश पूनिया तक चुनाव में सीएम पद के चेहरे की दावेदारी करने वाले नेता लगातार सक्रिय हैं।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# आधे-अधूरे प्रयासों से बढ़ती जटिलताएं

सरस्वती रमेश

असम में हो रही गिरफ्तारियां चर्चा में हैं। ये गिरफ्तारियां राज्य में घुस आये घुसपैठियों की नहीं, बल्कि विवाह के बंधन में बंध चुके उन जोड़ों की हैं जिन्होंने विवाह के लिए निर्धारित उम्र से कम उम्र में विवाह किया है। इन खबरों से ही जुड़ी दो और खबरें हैं। एक तो लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष करने का विधेयक संसद में विचाराधीन है तो दूसरी ओर सहमति से संबंध बनाने की उम्र 18 से घटाकर 16 करने के पक्ष में आवाज उठ रही है। सच है कि असम जैसे आर्थिक रूप से पिछड़े इलाकों में बाल-विवाह की समस्या लगातार विकराल रूप धारण करती गई है। दस से चौदह वर्ष की लड़कियां गर्भवती पाई गई हैं।

मगर जब समस्या बड़ी हो तो उसका निपटान भी सिलसिलेवार योजना के तहत ही किया जा सकता है। उसे एक झटके में दूर कर देने की कोशिश से फायदा से ज्यादा नुकसान होने का भय है। जैसा कि हालिया खबरें बताती हैं- गिरफ्तारी के भय से एक लड़की ने आत्महत्या तक कर ली। अनेक महिलाएं अपने गिरफ्तार पतियों को छुड़ाने के लिए पुलिस स्टेशनों के बाहर धरने पर बैठी हैं। उन्हें अपनी जिंदगी के सामने अंधकार ही अंधकार दिख रहा है। वे अपने एवं अपने बच्चे के भरण-पोषण की समस्या को लेकर बेचैनी में हैं। इस समस्या की गहराई में जाकर अध्ययन किया जाए तो इसकी सबसे बड़ी वजह अशिक्षा मिलती है। अशिक्षित परिवारों में माता-पिता अपनी बेटियों का जल्द से जल्द विवाह कर उनकी जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहते हैं जबकि बेटों को काम पर लगा उनसे आर्थिक मदद की आस रखते हैं। ऐसे परिवारों में बच्चों की संख्या भी अधिक होती है। एक वजह यह भी है कि किशोरावस्था में विपरीत लिंग के प्रति होने वाले आकर्षक के कारण कई लड़के-लड़कियां कम उम्र में ही संबंध स्थापित कर लेते हैं, जिससे बचने के लिए माता-पिता उनके विवाह का फैसला ले लेते हैं। जबकि इस समस्या को दूर करना बहुत कठिन काम नहीं है। बढ़ती उम्र की लड़कियों और लड़कों से उनके माता-पिता बात कर उन्हें सही-गलत के बीच फर्क करना सिखा सकते हैं। और फिर स्कूल के स्तर पर भी पहल कर इन बातों पर चर्चा की जा सकती है।

समाज के लोग भी मिलकर अपने-अपने बच्चों को किशोरावस्था में होने वाले आकर्षण की जानकारी दे उन्हें कम उम्र में विवाह की परेशानियों से अवगत करा सकते हैं। मगर इन सब

बातों के लिए पहले एक जागरूक समाज का निर्माण आवश्यक है। बच्चों से पहले मां-बाप को शिक्षा दी जानी चाहिए कि उन्होंने अपने जीवन में बाल-विवाह कर जो परेशानियां झेली हैं, उससे अपने बच्चों को बचायें। गिरफ्तारियां असम में हो रही, लेकिन कम उम्र में लड़कियों की शादी का प्रचलन तो हर जगह जारी है। उत्तर प्रदेश, बिहार के किसी गांव या कस्बे नहीं बल्कि जिला मुख्यालयों में चले जाएं। वहां की किसी सड़क पर खड़े हो जाएं। मांग में सिंदूर लगाई बच्चियों की संख्या आपको बाल-विवाह निरोधक कानून की सच्चाई बता देगी। जबकि बाल-विवाह निरोधक कानून तो वर्षों से लागू है। ऐसे में अगर लड़कियों के विवाह की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 कर भी दी गयी तो जमीनी हकीकत में कोई खास बदलाव आएगा, इसकी उम्मीद न के बराबर है। सोचने वाली बात यह भी है कि एक तरफ जहां बाल-विवाह को रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है, वहीं आपसी सहमति से संबंध बनाने की उम्र 16 साल से भी कम करने पर विचार चल रहा है। ये तो लड़कियों की स्थिति में सुधार की बजाय और बिगाड़ देगा। चूंकि 16 साल के लड़के-लड़कियों में परिपक्वता का अभाव होता है, उस नासमझी की उम्र में वो शारीरिक संबंध स्थापित करने के लिए तो योग्य होते हैं, मगर मानसिक रूप से नहीं। इसलिए यह दोनों के लिए ही असहज करने वाली स्थिति हो सकती है। मूल समस्या यह है कि हम मान बैठते हैं कि कानून बना देने भर से समाज की सारी विसंगतियां दूर हो जाएंगी, जबकि कानून की अपनी सीमाएं है। जयप्रकाश नारायण ने कहा था, 'कानून से समाज नहीं बदलता।' इस कथन को बार-बार याद रखने की जरूरत है। समाज तो सोच बदलने से बदलता है। सोच बदलने का काम शिक्षा करती है और आर्थिक स्वावलंबन, सशक्तीकरण इस काम में मदद करते हैं। अब ऊपर जिन तीन पहलों का जिक्र है उनका लक्ष्य एक-सा है। इनके पीछे कानून के जरिए समाज को बदलने और बदले समाज में लड़कियों की स्थिति बेहतर बनाने का इरादा अंतर्निहित है।

लेकिन गौर से देखें तो असम सरकार का बाल-विवाह रोकने का अभियान आधा-अधूरा प्रयास ही मालूम हो रहा है जो एक कदम बढ़कर दो कदम पीछे जाने जैसा है। सुधार की ओर जाने के बजाय जटिलताएं ज्यादा नजर आ रही हैं। ऐसी जटिलताएं जिनका खमियाजा अंततः लड़कियों को ही भुगतना है।

# एआई के एक नये अवतार से चौंकी डिजिटल दुनिया

मुकुल व्यास

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के एक नये अवतार से डिजिटल दुनिया में खलबली मची हुई है। चैटजीपीटी नामक यह अवतार आपके लिए लेख लिख सकता है और यकीन मानिए, कविता भी लिख सकता है। यदि आप अपने मन में उठे विचारों को कविता में बदलना चाहते हैं लेकिन किसी वजह से ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो आप एआई के इस टूल की मदद ले सकते हैं। चैटजीपीटी द्वारा रचित कविता किसी को भी चौंका सकती है, भले ही उसमें मौलिकता नहीं दिखे। यदि आप इस चैटबॉट द्वारा रचित कविता से संतुष्ट नहीं हैं तो आप इसे और रोचक और जानदार बनाने के लिए कह सकते हैं। चैटजीपीटी आपके लिए लियोनार्दो दा विंची, विन्सेंट वॉन गोग, पिकासो, जामिनी रॉय या नंदलाल बोस की शैलियों में चित्र भी बना सकता है।

इस संवादी सिस्टम से आप आइंस्टीन के सापेक्षवाद के सिद्धांत सहित भौतिकी के तमाम जटिल सवाल पूछ सकते हैं या उससे बर्थडे पार्टी आयोजित करने के बारे में नए आइडिया मांग सकते हैं। यह एआई बॉट कई तरह से उपयोगी हो सकता है। एक डॉक्टर ने दावा किया कि उसने नए चैटबॉट की मदद से एक हैल्थ इंश्योरेंस कंपनी को एक मरीज के इलाज का खर्चा देने के लिए राजी कर लिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस चैटबॉट की कृत्रिम बुद्धि इसी तरह विकसित होती रही तो भविष्य में इसके कार्यक्षेत्र का विस्तार होना निश्चित है। इस हरफनमौला बॉट की मदद से एक दिन नेतागण अपने लच्छेदार भाषण तैयार करेंगे। फिल्मों की स्क्रिप्ट लिखी जाएगी। डायलॉग लिखे जाएंगे और टीवी चैनलों व अखबारों के लिए रिपोर्टिंग की जाएगी। चैटजीपीटी का प्रयोग उपयोगकर्ता के अनुरोध के जवाब में मूल निबंध कहानियां और गाने के बोल लिखने के लिए किया गया है। इसने शोधपत्र के सार एकत्र कर रखे हैं जिससे कुछ वैज्ञानिक चकमा खा गए। कुछ सीईओ ने इसका इस्तेमाल ईमेल लिखने या एकाउंटिंग का काम करने के लिए भी किया है। इसके उपयोग की संभावनाएं अनंत हैं और इसका खुलासा आने वाले समय में हो जाएगा।

ओपनएआई द्वारा विकसित चैटजीपीटी आपको प्रश्न टाइप करने देता है और प्रश्नों का संवादात्मक उत्तर देता है। वह आपके संवाद के सूत्र को याद रखता है तथा पिछले प्रश्नों और उत्तरों का उपयोग करके अपने जवाब तैयार करता है। इसके उत्तर इंटरनेट पर उपलब्ध तमाम सूचनाओं पर आधारित होते हैं। यह सॉफ्टवेयर उन क्षेत्रों में काफी जानकार लगता है जहां एआई को सीखने के लिए अच्छा प्रशिक्षण डेटा है। लेकिन यह इतना सर्वज्ञानी या स्मार्ट नहीं है कि समस्त मनुष्यों का स्थान ले सके। लेकिन यह रचनात्मक हो सकता है और इसके उत्तर सर्वथा आधिकारिक लग सकते हैं। गत नवंबर में नए एआई बॉट के लांच के बाद लाखों लोग इसे आजमाने लगे हैं। इसके बढ़ते उपयोग के बीच इसका निर्माण करने वाली ओपनएआई रिसर्च लैब ने चेतावनी दी है कि यह कभी-कभी गलत या भ्रामक जानकारी उत्पन्न कर सकता है, अतः सावधान रहें। चैटजीपीटी एक ऐसी एआई है जिसे इंटरनेट से एकत्र की गई टेक्स्ट के विशाल भंडार में पैटर्न को पहचानने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

अधिक उपयोगी, बेहतर संवाद करने के लिए इसे मानव सहायता से भी प्रशिक्षित किया गया है। आपको जो उत्तर मिलते हैं वे विश्वसनीय लग सकते हैं, लेकिन वे पूरी तरह से गलत भी हो सकते हैं। चैटजीपीटी कभी-कभी आपको अपनी कमियों के बारे में भी आगाह कर सकता है। वह अनुपयुक्त और अनुचित अनुरोध अस्वीकार कर सकता है। चैटजीपीटी का दुरुपयोग हो सकता है। चूंकि यह चैटबॉट कंप्यूटर प्रोग्राम भी लिख सकता है, साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञों को आशंका है कि इसका उपयोग मैलिसियस कोड उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है। यह छात्रों को बेहतर नकल करने में भी मदद कर सकता है। दशकों पहले छात्र इनसाइक्लोपीडिया की प्रविष्टियों की नकल कर सकते थे और हाल ही में वे इंटरनेट पर खोज करने और विकिपीडिया प्रविष्टियों की नकल करने में भी सक्षम हो गए हैं। चैटजीपीटी छात्रों को शोध में मदद करने से लेकर होमवर्क करने तक हर चीज के लिए नई क्षमताएं प्रदान करता है। चैटजीपीटी के कई उत्तर पहले से ही छात्रों के निबंधों की तरह लगते हैं। यह सॉफ्टवेयर अपनी तमाम खूबियों के बावजूद मनुष्य के ज्ञानार्जन के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

चैटजीपीटी स्नातक स्तर की परीक्षा पास करने में भी सक्षम है भले ही उसे इस परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त न हों। इस नए शक्तिशाली टूल ने हाल ही में अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय में चार पाठ्यक्रमों में कानून की परीक्षा उत्तीर्ण की और स्कूलों के प्रोफेसरों के अनुसार चैटजीपीटी ने पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल ऑफ बिजनेस में भी एक परीक्षा उत्तीर्ण की। कहा जा रहा है कि चैटजीपीटी के आगमन से गूगल को खतरा पैदा हो गया है। क्या सचमुच यह गूगल सर्च से बेहतर है? गूगल अक्सर आपको प्रश्नों के अपने सुझाए गए उत्तर और उन वेबसाइटों के लिंक देता है जो उसे लगता है कि प्रासंगिक होंगे। लेकिन चैटजीपीटी के उत्तरों में ऐसा नहीं होता। वहीं दूसरी ओर, गूगल ने चैटजीपीटी का मुकाबला करने के लिए बार्ड लाने की घोषणा की है। लेकिन इसकी शुरुआत बहुत ?राब रही। पहले डेमो में उसने गलत जवाब दे दिया जिससे गूगल की पैरेंट कंपनी एल्फाबेट को मार्केट कैप में 100 अरब डॉलर का नुकसान हो गया। वैसे बार्ड को बाजार में आने में कुछ हफ्ते लगेंगे। चैटजीपीटी पर पूरा भरोसा करने से पहले दोबारा सोचना चाहिए।

# हिचहाइकिंग से करें कम बजट में वर्ल्ड टूर

## कुछ बातों का ध्यान रखना है जरूरी

ज्यादातर जगहों पर कोई दिक्कत नहीं आती लेकिन हां सावधानियां रखनी पड़ती हैं। यह सबसे खास बात है। ज्यादातर हिचहाइकर्स इस बात का ध्यान रखते है कि वे दिनभर में ही सफर पूरा करके रात को आराम की जगह ढूंढ लें। रात में सफर करना खतरनाक भी हो सकता है और थकाने वाला भी। इस समय रास्ते पहचानने में दिक्कत भी हो सकती है और आपको मदद के लिए भी कोई नहीं मिलता। इसलिए हमेशा दिन के उजाले में ही हिचहाइकिंग का विकल्प अपनाएं, चाहे आप पुरुष हों या महिला।

**हिचहाइकिंग यानी लिफ्ट लेकर यात्रा करना**

राजकपूर साहब ने एक गाने और 3 घंटे की फिल्म में अराउंड द वर्ल्ड इन 8 डॉलर्स की सिफारिश की थी जिसे सबसे ज्यादा सीरियसली हिचहाइकिंग करने वालों ने ही लिया। हिचहाइकिंग यानी लिफ्ट ले लेकर यात्रा करना। हाल ही में आपने कई यूट्यूब चैनलों पर देशी-विदेशी कई लोगों को इसका उपयोग करते देखा होगा। इस प्रक्रिया में लिफ्ट लेने वाले से ज्यादा कई बार लिफ्ट देने वालों की हिचक सामने आती है। हिचहाइकिंग कितनी सुरक्षित है और कितनी नहीं, यह बात भी लम्बे समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। कुछ समय गायब रहने के बाद, अब फिर से हिचहाइकिंग भ्रमण और यात्रा की दुनिया में एक ऐसा तरीका बनता जा रहा है जिसे खासतौर पर युवा बड़ी संख्या में अपना रहे हैं। इनमें लड़के और लड़कियां दोनों शामिल हैं। 8 डॉलर्स तो नहीं लेकिन इस तरीके से यात्रा के कुल बजट का बड़ा खर्च बच जरूर जाता है। यही कारण है देश-विदेश हर जगह हिचहाइकर्स आपको सड़क पर लिफ्ट मांगते नजर आ जाएंगे लेकिन क्या यात्रा का यह तरीका जितना पैसा बचाता है, उतना ही रिस्क भी कम करता है?

## टूर के लिए जगह भी रखती है मायने

हालांकि कुछ देशों में हिचहाइकिंग बहुत सुरक्षित भी है और यहां आसानी से लोग लिफ्ट देते भी हैं लेकिन कुछ देशों में, कुछ जगहों पर इसे बैन भी किया गया है। इसलिए हिचहाइकिंग का ऑप्शन चुनने से पहले उस देश के बारे में पूरी जानकारी जरूर इकट्ठी करें। हर देश में कोई एक जगह या इलाका ऐसा होता है जहां लूटपाट जैसी घटनाएं अधिक होती हैं या जो सुनसान होता है। ऐसी किसी भी जगह के बारे में उस शहर में जाते ही जानकारी हासिल करें और उस जगह के स्थानीय प्रशासन व पुलिस के नंबर आदि अपडेट रखें।

## सोशल मीडिया से जुड़ें और सतर्क रहें

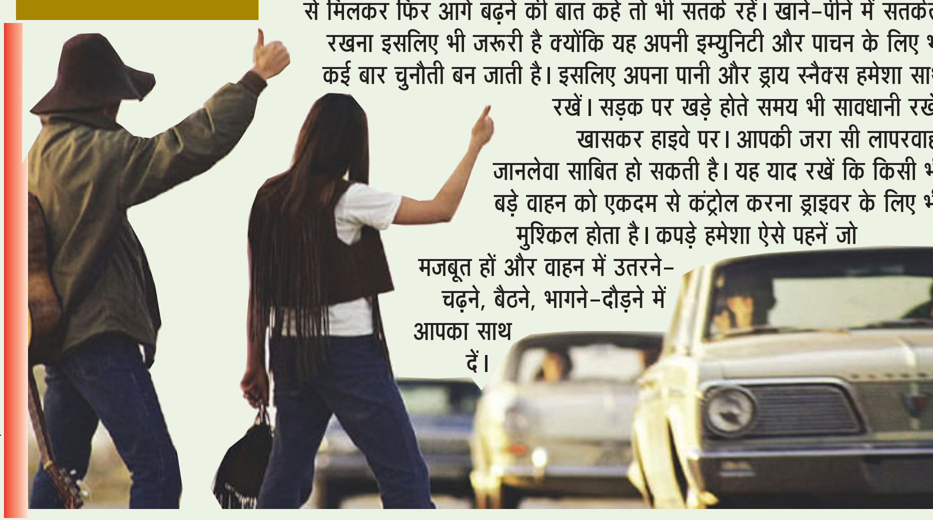

यदि लिफ्ट देने वाला आपको रास्ते में किसी जगह रुककर कुछ खाने या किसी से मिलकर फिर आगे बढ़ने की बात कहे तो भी सतर्क रहें। खाने-पीने में सतर्कता रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह अपनी इम्युनिटी और पाचन के लिए भी कई बार चुनौती बन जाती है। इसलिए अपना पानी और ड्राय स्नैक्स हमेशा साथ रखें। सड़क पर खड़े होते समय भी सावधानी रखें, खासकर हाइवे पर। आपकी जरा सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। यह याद रखें कि किसी भी बड़े वाहन को एकदम से कंट्रोल करना ड्राइवर के लिए भी मुश्किल होता है। कपड़े हमेशा ऐसे पहनें जो मजबूत हों और वाहन में उतरने-चढ़ने, बैठने, भागने-दौड़ने में आपका साथ दें।

## वाहन भी जांचें

हिचहाइकिंग के लिए अमूमन कार, ट्रॉली या ट्रक को पसंद किया जाता है। लेकिन कोई भी वाहन चुनते समय यह जरूर ध्यान रखें कि ड्राइवर का व्यवहार अगर संदिग्ध लग रहा है तो कभी भी वाहन में सवार न हों, खासकर यदि ड्राइवर बार बार गाड़ी में बैठने की जबरदस्ती या आग्रह कर रहा है तो। खुला पिकअप ट्रक या ऐसा ही कोई वाहन है तो खतरा कम होगा, बंद या काले शीशे वाली गाड़ी को भूलकर भी न चुनें। वर्तमान में गैजेट्स बहुत काम के साबित होते हैं, मैप से लेकर अलर्ट मोड व अन्य कई सुविधाएं इनमें ऐसी होती हैं जो हिचहाइकिंग के दौरान रास्ता भटकने और गलत लोगों से बचने में मदद करती हैं। अपने पास सुरक्षा के साधन जरूर रखें। चाहे वह स्प्रे हो या छोटी सी रस्सी। कैश कम से कम रखें और मोबाइल को हमेशा फुल चार्ज रखें। कोशिश करें कि स्थानीय भाषा के जरूरी शब्द जैसे मदद कीजिये, पुलिस बुलाइये, बचाइए, आदि आपको पता हों। यदि आप हिचहाइकिंग करने वालों को अपने वाहन में लिफ्ट दे रहे हों तब भी सतर्कता रखना जरूरी है। किसी को भी अपनी यात्रा का प्लान, परिवार या अपनी निजी जानकारी देने से बचें।

## हंसना मना है

सरदारजी आपको लोगो ने क्यों मारा?
सरदार: यार मेरी फोटो बस में गिर गयी, तो मैने मैडम से कहा जरा साडी उपर करो फोटो लेना है।

मेरी बात गौर से सुनना, अगर कोई आपको पागल कहे तो दुखी मत होना, अफ़सोस भी मत करना और रोना भी मत, बस आराम से चेयर पर बैठ कर सोचना की। साले को पता कैसे चला।

यह जो हसीनाओं के बाल होते है, लड़कों को फंसाने के जाल होते है, पी जाती है सारा खून लड़को का, तभी तो गाल इतने लाल होते हैं..

लेडी टीचर: मुझे बच्चों की शकल से पता लग जाता है की उनके दिमाग मे क्या चल रहा है। स्टूडंट : फिर भी आप अपना दुपट्टा सही नहीं कर रही हो!

लड़की: दुआ करो मैं फेल हो जाऊं। फ्रेंड : क्यों? लड़की: अब्बु ने कहा है कि 1st आयी तो लैपटॉप। 2nd आयी तो मोबाइल और फेल हो गयी तो शादी करवा दूंगा!

बेटा: मां हम दिवाली के सारे पटाखे इस दूकान से लेंगे.. मां: बेटा ये दूकान नहीं गर्ल्स हॉस्टल है.. बॉय: पर पापा तो कहते है यहां एक से एक पटाखा है !

## कहानी | लालची कुत्ता

एक गांव में एक लालची कुत्ता रहता था। वह गांव में घूम-घूमकर खाने की तलाश करता था। वह इतना लालची था कि उसे जितना भी खाने के लिए मिलता था, उसे कम ही लगता था। गांव के दूसरे कुत्तों के साथ पहले उसकी अच्छी दोस्ती थी, लेकिन उसकी इस आदत की वजह से सभी उससे दूर रहने लगे, लेकिन उसे कोई फर्क नहीं पड़ा, उसे सिर्फ अपने भोजन से मतलब था। कोई न कोई आते जाते उसे खाने के लिए कुछ न कुछ दे ही देता था। उसे जो खाने को मिलता उसे वो अकेले ही चट कर जाता। एक दिन उसे कहीं से एक हड्डी मिल गई। हड्डी को देखकर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने सोचा कि इसका आनंद तो अकेले ही लेना चाहिए। यह सोचकर वो गांव से जंगल की ओर जाने लगा। रास्ते में वह पुल के ऊपर से नदी पार कर रहा था, तभी उसकी नजर नीचे नदी के ठहरे हुए पानी पर पड़ी। उस समय उसकी आंखों में सिर्फ हड्डी का लालच था। उसे यह भी पता नहीं चला कि नदी के पानी में उसका ही चेहरा नजर आ रहा है। उसे लगा की नीचे भी कोई कुत्ता है, जिसके पास एक और हड्डी है। उसने सोचा कि क्यों न उसकी भी हड्डी छीन लूं, तो मेरे पास दो हड्डियां हो जाएंगी। फिर मैं एक साथ दो हड्डियों के मजे से खा सकूंगा। ऐसा सोचकर वह जैसे ही पानी में कूदा, उसके मुंह से हड्डी सीधे नदी में जा गिरी। मुंह से छुटकर हड्डी के पानी में गिरते ही कुत्ते को होश आया और उसे अपने किए पर पछतावा हुआ।

**कहानी से सीख:** इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। लालच करने से हमारा ही नुकसान होता है।

## 7 अंतर खोजें

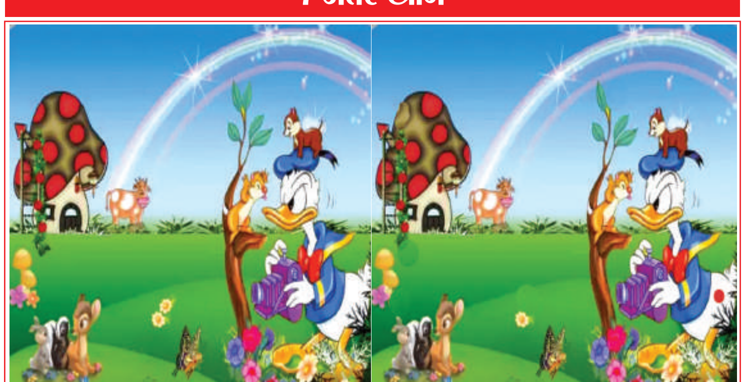

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष:** अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। प्रमाद न करें। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे।

**वृषभ:** विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें।

**मिथुन:** बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दौड़धूप अधिक होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे।

**कर्क:** मेहनत का फल मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे।

**सिंह:** संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। यात्रा व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें।

**कन्या:** यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएंगे। दिनचर्या नियमित रहेगी।

**तुला:** क्रोध पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

**वृश्चिक:** लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी।

**धनु:** योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी।

**मकर:** धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नए प्रस्ताव प्राप्त होंगे। सुखद यात्रा के योग हैं।

**कुम्भ:** वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सोच-समझकर व्यय करें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

**मीन:** प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद कर पाएंगे।

# नेहा ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस से पर्दा उठाते हुए कहा

# मैं नहीं चाहती उदास लड़का

बॉलीवुड मसाला

नेहा मलिक अपनी हसीन तस्वीरों और वीडियो के चलते सोशल मीडिया पर हर वक्त सनसनी मचाती नजर आती हैं। नेहा मलिक ने हाल ही में अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियोस इंटरनेट पर साझा की हैं। जैसे कि आप सब जानते हैं इन दिनों वैलेंटाइन डेज की धूम हर तरफ देखने को मिल रही है। ऐसे में पहली बार नेहा मलिक ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस से पर्दा उठाते हुए फैंस को चौंका दिया है। नेहा मलिक ने हाल ही में एक मजेदार वीडियो शेयर करते हुए अपना रिलेशन स्टेटस तो बताया ही साथ ही अलग-अलग तरह के लड़कों के बारे में भी बात की है।

नेहा मलिक ने फुल ऑन एटीट्यूड के साथ वीडियो बनाते हुए बताया की वो सिंगल है। साथ ही ये बताया कि वह किन लड़कों की वजह से सिंगल है। नेहा मलिक ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा -आप सोचते होंगे कि मैं सिंगल क्यों हूं तो आइए बताती हूं आपको.. पहला मैं उदास लड़का नहीं चाहती जो हर रात रोता हो.. दूसरा मैं प्लेबॉय और बिगड़ैल लड़का नहीं चाहती जो मुझसे हर वक्त लड़ाई करता रहे.. मुझे वैसे लड़के भी नहीं चाहिए जो अपनी मां के लिए हाउसवाइफ ढूंढ रहे हों।। और ऐसा भी नहीं चाहिए जो दिखने में तो खूबसूरत हो लेकिन अंदर से बुरा हो। मुझे ऐसे मजबूत लड़के भी नहीं चाहिए जिनका प्यार कमजोर हो। और वो तो बिलकुल भी नहीं जो धोखा देते हों.. नेहा मलिक ने बॉयटॉय गाने के साथ अपने चाहने वालों को यह बता दिया है कि उन्हें अपने होने वाले पार्टनर में क्या-क्या चीजें बिल्कुल भी नहीं चाहिए। ऐसे में देखना होगा कि नेहा मलिक को अपने सपनों का सौदागर कब और कहां मिलता है। नेहा मालिक सोशल मीडिया पर अपनी बेहतरीन तस्वीरों से इंटरनेट का तापमान बढ़ाती नजर आती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 3.5 मिलियन से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं जो उनकी डेली लाइफ अपडेट फॉलो करते हैं।

बॉलीवुड मन की बात

# आमिर खान ने खोला इंडस्ट्री से ब्रेक लेने का राज

आमिर खान की हर फिल्म के लिए हमेशा ही दर्शकों में खास उत्सुकता देखने को मिलती है। लंबे समय के बाद वह पिछले साल रिलीज हुई फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आए थे। हालांकि, इसके बाद ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से ब्रेक का भी ऐलान कर दिया। तभी से उनके चाहने वाले इस फैसले की वजह जानने के लिए बेताब हैं। अब आखिरकार आमिर ने बता ही दिया है कि आखिर किस वजह से उन्होंने इंडस्ट्री से ब्रेक लिया है। आमिर बेशक फिल्मों से दूर हुए हैं, लेकिन उन्हें कई इवेंट शोज में खूब शिरकत करते हुए देखा जा रहा है। अब एक बुक लॉन्च इवेंट के दौरान एक्टर से उनके ब्रेक पर सवाल किया गया। इसका जवाब देते हुए आमिर ने कहा, मेरे करीबी लोग मेरा हमेशा ही मजाक बनाते हैं। वह अक्सर कहते हैं कि तुम हमेशा ब्रेक पर ही तो रहते हो। उनका है कि तू फिल्में ही कब करता है, जो अब ब्रेक पर जा रहा है। आमिर ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैं जब भी कोई फिल्म करता हूं तो उसमें इतना खो जाता हूं कि मेरी निजी जिंदगी में क्या हो रहा है मुझे कुछ नहीं नजर आता। इसीलिए मैंने अब फिल्मों से ब्रेक लेने का फैसला किया है। लाल सिंह चड्ढा के बाद मैं अपनी अगली फिल्म चैंपियंस पर करने वाला था। यह दिल छू लेने वाली एक शानदार कहानी है, लेकिन इस फिल्म पर काम शुरू करने से पहले मैं ब्रेक लेना चाहता था। आमिर ने कहा, मैं पिछले 35 सालों से लगातार काम कर रहा हूं। मैं अपने परिवार, मां और बच्चों के साथ वक्त बिताना चाहता हूं। मुझे ऐसा लगता है कि मेरे करीबी लोगों के साथ बहुत बुरा हो रहा है और मुझे लगता है कि यही सही वक्त है, जब मुझे जिंदगी का एक अलग अनुभव करना चाहिए। गौरतलब है कि आमिर खान ने बेशक इंडस्ट्री से ब्रेक ले लिया है, लेकिन उन्हें अब भी लगातार कई बड़ी फिल्मों के ऑफर्स मिल रहे हैं। हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मशहूर फिल्मकार प्रशांत नील ने उन्हें अपनी अगली फिल्म के लिए अप्रोच किया है। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर लीड रोल में दिख सकते हैं।

# नोरा फतेही के साथ रोमांटिक हुए अक्षय

बॉलीवुड गपशप

तुम हुस्न परी..तुम सबसे हसीन.. तुम सबसे जवां..नोरा फतेही की अदाओं को देखकर हर कोई यही कहेगा। एक्ट्रेस नोरा फतेही और अक्षय कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दोनों की रोमांटिक कैमिस्ट्री दिखाई दे रही है। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर ये वीडियो शेयर किया है।

वीडियो में अक्षय और नोरा को 'कुड़िए नी तेरे' गाने पर डांस करते हुए देखा जा रहा है। इस गाने में अक्षय कुमार फुल ब्लैक आउटफिट में हैं तो वहीं ग्रीन गाउन में नोरा फतेही किसी परी से कम नहीं लग रही हैं। गाने में नोरा के डांस और कातिलाना अदाओं पर फैंस फिदा हो रहे हैं।

वीडियो में अक्षय कुमार नोरा के डांस मूव्स पर फिदा हैं। लहराती बलखाती नोरा जब अपनी कमर हिलाती हैं तो अक्षय के दिल की धड़कन बढ़ने लगती है। अक्षय ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है, 'यहां देखिए नोरा फतेही किस तरह किसी भी वाइब्स को फायर बना सकती है। क्या शानदार वाइब है कुड़िए नी तेरी' अक्षय इस गाने के जरिए अपनी आने वाली फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। इस गाने को 1 घंटे में साढ़े 8 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं गाने पर 6000 से ज्यादा कमेंट आ चुके हैं।

# 60 साल पहले ऐसी उड़ी नींद कि आज तक सो नहीं पाया शख्स

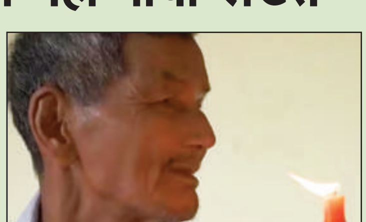

वियतनाम के एक शख्स को करीब 60 साल पहले बुखार हुआ था उसके बाद से वो आज तक सो ही नहीं पाए। लगातार 62 सालों से वो दिन रात जागते हैं और अपना हर काम खुद करते हैं 80 साल की उम्र में भी एकदम टनाटन रहते हैं। सवाल ये है कि बुखार ने नींद छीन कर क्या उन्हें वरदान दे दिया है? वियतनाम के रहने वाले 80 साल के थाई एनजोक दावा करते हैं कि वो 1962 के बाद से सोए ही नहीं है। 61 साल पहले उनकी नींद ऐसी गायब हुई कि आज तक उसका अता पता नहीं है। यहाँ तक कि उनकी पत्नी और बच्चों ने भी उन्हें 6 दशकों से सोते हुए नहीं देखा। इसके पीछे थाई एनजोक जो वजह बताते हैं वो और भी ज्यादा हैरान करने वाली है। एनजोक के मुताबिक जब वह मात्र 18 साल के थे तो उनकी तबियत कुछ खराब हो गई थी। उन्हें तेज बुखार हुआ था। उसके बाद से ही उनकी नींद उड़ गई। कुछ वक्त तक लगा कि तबियत की वजह से वो सो नहीं पा रहे हैं। लेकिन वक्त बीतता गया और पता चला कि अब तो उन्हें नींद आती ही नहीं। फेमस यूट्यूबर ड्रयू बिन्स्की ने लंबा सफर तय कर थाई एनजोक का इंटरव्यू किया। जिसमें उनकी नींद ना आने वाली पूरी कहानी पता चली। दशकों से नींद न आने के पीछे जब एक्सपर्ट्स की सलाह ली गई तो पता चला की इससे इन्सोम्निया या अनिद्रा की बीमारी कहते हैं। इसकी वजह से शारीरिक और मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ता है। लेकिन थाई एनजोक को देखकर ऐसा कुछ भी नहीं लगता। ये सही है कि उन्हें नींद नहीं आती और ना ही वो सोते हैं, फिर भी उनकी सेहत पर इसका कोई असर दिखाई नहीं देता। वो तो 80 साल की उम्र में भी अपना हर काम खुद करते हैं। वो बताते हैं कि कभी कभार ज्यादा ड्रिंक के बाद उन्हें थोड़ी सुस्ती होती है, तो वो कुछ देर के लिए लेट जाते हैं फिर भी नींद नहीं आती। कई बार पूरी-पूरी रात बिस्तर पर लेटकर और आंखें बंद कर गुजार दिए, फिर भी दिमाग सक्रिय रहा और वो नहीं सो पाए। उनकी इस अनोखी बीमारी को सुनकर दुनिया के कई कोनों से लोग उनका रियलिटी चेक करने आते हैं, और पूरी रात उनके साथ बिताकर सच जानने की कोशिश करते हैं।

अजब-गजब

चौंकाने वाली है विचित्र परंपरा

# थाली को लात से मारकर मर्दों को परोसती हैं औरतें

घर में आए किसी मेहमान को खाना परोसना हो या घरवालों को ही खाने की थाली देनी हो, लोग उसे सम्मान पूर्वक भोजन करने वाले के सामने रखते हैं। किसी जरूरतमंद को भी जब खाना दिया जाता है, तो भी हाथों से पकड़कर उसके सामने थाली परोसी जाती है पर क्या आपने कभी सुना है कि कोई महिला अपने पति को पैर से लात मारकर थाली परोसे! सुनने में ये बेशक बेहद शर्मनाक लगता है पर असल में ऐसा एक जनजाति में होता है। आज भी ये विचित्र रिवाज इस जनजाति में माना जाता है।

नेपाल के दक्षिणी भाग और भारत के उत्तरी भाग में, तराई इलाके के पास थारू जनजाति रहती है। माना जाता है कि ये राजपूत हुआ करते थे जो थार रेगिस्तान से नेपाल की ओर चले गए थे। ये हिन्दू हैं और भगवान शिव की पूजा करते हैं। माना जाता है कि भारत में करीब 1.7 लाख थारू जनजाति के लोग रहते हैं जबकि नेपाल में इनकी संख्या 15 लाख से ज्यादा है। इस जनजाति की सबसे विचित्र परंपरा है लात से मारकर खाना देना।

जिस अनाज को हम माथे से लगाते हैं, उसे थारू जनजाति की औरतें पहले थाली में परोसती हैं फिर लात से मारकर पुरुषों की ओर खिसका देती हैं। ये परंपरा आज भी इस जनजाति का हिस्सा है और ये जितनी विचित्र है, इसका कारण भी उतना ही विचित्र है। बताया जाता है कि इस जनजाति में पितृसत्तात्मक परंपरा नहीं, बल्कि मातृसत्तात्मक परंपरा का पालन किया जाता है। औरतें यहां घर की मुखिया होती हैं।

सन्1576 में हल्दीघाटी युद्ध के दौरान महाराणा प्रताप की सेना के उच्च पद पर बैठे सैनिकों और कुलीन लोगों ने अपने परिवार की रक्षा के लिए उन्हें अन्य सैनिकों और सेवकों के साथ हिमालय की तलहटी में भेज दिया था। ये लोग तराई क्षेत्र तक पहुंचे और वहीं अपना बसेरा बना लिया। इन्हीं लोगों को थारू कहा गया। यहां पहुंचकर महिलाओं को अपनी सामाजिक सुरक्षा के हनन का एहसास हुआ। इस कारण उन्हें मजबूरी में अपने साथ आए निचले पद के सैनिक और नौकरों से ही विवाह करना पड़ा। हालांकि, वो इस विवाह से बिल्कुल भी खुश नहीं थीं क्योंकि वो सभी उच्च कुल और अमीर परिवारों से आई थीं। उनके अंदर ऊंची जाति और राज परिवार का खास होने का घमंड था। तब से उन्होंने खुद को परिवारों का मुखिया मान लिया और अपने पतियों को खाना लात मारकर ही देने लगीं। इससे वो अपने रजसी घमंड को भी संतुष्ट करती थीं। धीरे-धीरे इस घमंड ने परंपरा का रूप ले लिया। यही वजह है कि आज भी इस जनजाति की औरतें आभूषणों से सजी रहती हैं। समाज में परिवर्तन आने के बाद परंपरा का पालन कम ही लोग करते हैं, पर ये आज भी वैसे ही मौजूद है।

# जम्मू-कश्मीर ने रोजगार और प्यार चाहा था, पर मिला बुलडोजर : राहुल

» पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने अतिक्रमण रोधी मुहिम पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर में जारी अतिक्रमण रोधी मुहिम को लेकर बीजेपी पर रविवार को निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश ने रोजगार, बेहतर कारोबार और प्यार चाहा था, लेकिन उसे इसके बजाय 'बीजेपी का बुलडोजर' मिला।

कांग्रेस, नैशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी जैसे कई बड़े दलों ने इस मुहिम को लेकर चिंता व्यक्त की है और इसे तत्काल रोकने की मांग की है। दरअसल राजस्व विभाग के आयुक्त सचिव विजय कुमार बिधूड़ी ने सात जनवरी को सभी उपायुक्तों को सरकारी भूमि से अतिक्रमण शत प्रतिशत हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद से जम्मू कश्मीर में 10 लाख कनाल से अधिक जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई गई है। राहुल गांधी ने ट्वीट किया कि कई दशकों से जिस जमीन को वहां के लोगों ने मेहनत से सींचा, उसे उनसे छीना जा रहा है। अमन और कश्मीरियत की रक्षा, जोड़ने से होगी, तोड़ने और लोगों को बांटने से नहीं।' उधर, जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बनिहाल कस्बे में रविवार को अतिक्रमण-रोधी अभियान के दौरान कम से कम 45 दुकानों को सील कर दिया गया और दो को ढहा दिया गया। पूरे शहर में रविवार सुबह अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया और अधिसूचित दुकानों को सील कर दिया गया, जबकि दो को ढहा दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिन दुकानों को सील किया गया, उनमें 22 फार्मेसी, नौ क्लिनिकल लेबोरेट्री और पांच ऑप्टिकल दुकान शामिल हैं।

### प्रशासन का दावा-40 फीसदी अतिक्रमण हटाया

उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान एक निजी स्कूल के अवैध कब्जे वाली आठ मरला सरकारी भूमि वापस ली गयी है और अब तक 40 प्रतिशत अतिक्रमण हटा दिया गया है। बनिहाल के व्यापार मंडल के अध्यक्ष परवेज हामिद शेख ने जिला प्रशासन से गरीब दुकानदारों की दुर्दशा को ध्यान में रखे जाने की गुजारिश की है, क्योंकि इससे उनकी रोजी-रोटी छिन गयी है। शेख ने कहा कि हम दुकानदारों को अपनी दुकानें खाली करने के लिए पर्याप्त समय देने के लिए प्रशासन के आभारी हैं, जिन्हें तोड़ा नहीं गया था। उन्होंने कहा कि लगभग 50 दुकानों के बंद होने से 300 से अधिक लोग बेरोजगार हो गए हैं। उन्होंने कहा कि हम सरकार से अपील करते हैं कि वह गरीब दुकानदारों और उनके आश्रितों की दुर्दशा को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द उनके मालिकों को दुकानों का कब्जा वापस दे।

धीरेंद्र शास्त्री पर स्वामी प्रसाद ने कसा तंज, बोले-

# चमत्कारी हैं तो चीन को भस्म क्यों नहीं कर देते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। सोनभद्र पहुंचे स्वामी प्रसाद मौर्य ने बागेश्वर धाम को लेकर भी बयान दिया है। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि बागेश्वर बाबा अगर चमत्कारी बाबा हैं तो चीन को भस्म क्यों नहीं कर देते। चीन हमेशा बॉर्डर पर आ कर धमकी देता रहता है। इसके साथ ही सपा नेता ने कहा कि आज कल के बाबाओं को अपने जप और तप पर भरोसा नहीं है वह सिर व जीभ काटने की बात करते हैं अब बाबा नहीं आतंकवादी हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि रामचरितमानस मात्र एक महाकाव्य है ना कि कोई धार्मिक ग्रंथ, उसकी चौपाइयों में महिलाओं, दलितों पिछड़ों के प्रति भेदभाव किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने बौद्ध धर्म को सबसे प्राचीन बताते हुए कहा कि हिंदू धर्म आचार्यों ने ही उन्हें वाल्मीकि रामायण की प्रति भेजी है। जिसमें बौद्ध धर्म का उल्लेख किया गया है। इससे साबित होता है कि बौद्ध धर्म सबसे प्राचीन है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने संघ प्रमुख मोहन भागवत पर निशाना साधा। बोले मोहन भागवत ने कहा जातियां ब्राह्मणों ने बनाई है। जो लोग मेरा सिर कलम करने के लिए इनाम दे रहे थे। अब मोहन भागवत का सिर कलम क्यों नहीं करते। जो खूनी हिंसक भेड़िए के रूप में साधु, महात्मा और धर्म आचार्य स्वामी प्रसाद का सिर काटने के लिए 51 लाख, 21 लाख और 11 लाख की सुपारी दे रहे थे।

# डॉ. तृप्ति सिंह ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय में हो रहे राष्ट्रीय मीट में जीता गोल्ड मेडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जिसके हौसले बुलंद होते है मंजिल उनके कदम चूमती है। ये सिर्फ शब्द है उन लोगो के लिए जिनकी जिद और जुनून के आगे पत्थर भी मोम बन जाता है। ये अल्फाज लखनऊ की उस बेटी, पत्नी और मां के लिए हैं। जिसके हौसले को देश सलाम करता है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार में रहने वाली एथलीट डॉक्टर तृप्ति सिंह।

उन युवतियों के लिए मिसाल और प्रेरणा बन चुकी है जो शादी के बाद अपने सपनो को पैरो तले रौंद देती है। डॉक्टर तृप्ति ऐसी युवतियों के लिए अब एक अपवाद बन चुकी है। जिन्होंने देशवासियों का विश्वास कायम करते हुए 400 मीटर बाधा दौड़ में जीत हासिल की है। यूं तो वो कई खिताब अपने नाम कर चुकी हैं लेकिन इस बार उन्हें काशी हिंदू विश्वविद्यालय में हो रहे राष्ट्रीय मीट में 400 मीटर बाधा दौड़ में गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ। जिसको लेकर वो काफी खुश हैं। जीत के बाद डॉक्टर तृप्ति सिंह ने देश के सभी लोगों की दुआओं और आशीर्वाद के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

# अब घर पर ही चार्ज कर सकेंगे अपनी कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाजार की जरुरत के मद्देनजर अगर कोई स्टार्टअप शुरू किया जाए तो उसके विफल होने की आशंका कम ही हो जाती है। आज एक ऐसे शख्स की कहानी बताएंगे जिनके सामने सबसे पहला सवाल ये था के ऐसा किया काम किया जाएं जिसमे उनको सफलता मिले इसी सिलसले में वो कई महीनों तक बाजार की डिमांड को समझने और मंथन के बाद आखिरकार टिवंकल ने इलेक्ट्रिक वाहनों के भविष्य को देखते हुए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जर बनाने का फ़ैसला किया।

पांच साल पहले केवल दस लाख से शुरू किया गया स्टार्टअप आज करोड़ो रुपये तक पहुंच गया है। और लगातार इसकी डिमांड बढ़ रही है। हाल में कंपनी ने एक सी एन जी कंपनी से चार्जर लगाने के लिए करार किया है। युवा उधमी टिवंकल को यह बात अच्छी तरह पता थी कि आने वाला भविष्य इलेक्ट्रिक वाहनों का ही होने वाला है। इस लिए उन्होंने इस फिल्ड में अपनी किस्मत आजमाई और वो कामयाब भी हुए। गोमतीनगर में ही टिवंकल की कंपनी के डिजाइनिंग का काम होता है। जबकि चिनहट औद्योगिक क्षेत्र में उनकी फैक्ट्री है।

पेपर लीक मामला

# आरोपियों की तलाश में यूपी में छापे, भाजपा नेता समेत तीन फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरिद्वार। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पटवारी व सहायक अभियंता (एई) और अवर अभियंता (जेई) की लिखित भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक प्रकरण में फरार आरोपियों की धरपकड़ तेज कर दी है।

पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष समेत तीन आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित करने के बाद टीमें धरपकड़ के लिए रवाना कर दी गई हैं। एक टीम पूर्वी उत्तर प्रदेश पहुंची है जबकि एक टीम हरिद्वार के अलावा आसपास के इलाकों में दबिश दे रही है। पटवारी और एई-जेई भर्ती परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश में एसआईटी जुटी हुई है।

# सपा के कामों को दिखाकर वाहवाही लूट रही योगी सरकार : अखिलेश

» कहा-छह वर्ष बिताने के बावजूद अभी तक अपना एक भी प्रोजेक्ट जमीन पर उतार नहीं सकी है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सत्ता में छह वर्ष बिताने के बावजूद अभी तक अपना एक भी प्रोजेक्ट जमीन पर उतार नहीं सकी है। भाजपा ने बदले की भावना से सपा सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्य बर्बाद कर दिए।

अपना कार्य जब दिखाने के लिए नहीं मिला तो भाजपा सरकार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट व जी-20 के मेहमानों को सपा सरकार के कार्यों को ही रंग-रोगन कर दिखा रही है। पुराने लखनऊ में बंद पड़े फाउंटेन और लाइट दोबारा शुरू करा दिए गए हैं। सुबह से शाम तक जनेश्वर मिश्र पार्क खुला रखा जा रहा है। रिवर फ्रंट सजाकर गोमती में नौका विहार का आनंद दिलाया जा रहा है। अखिलेश ने रविवार को कहा कि समाजवादी सरकार में बने जिस सोलर प्लांट का उद्घाटन पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय एपीजे कलाम साहब ने किया था, वह भाजपा सरकार में बजट के

अभाव में बंद पड़ा है। जेपी इंटरनेशनल जैसा महत्वाकांक्षी निर्माण देखरेख के अभाव में बर्बाद हो रहा है जबकि समिट के अधिवेशन और सत्रों के लिए उसका बेहतर उपयोग हो सकता था।

भाजपा सरकार शिक्षा के क्षेत्र में केवल 1.57 करोड़ रुपये के निवेश के लिए बड़ा प्रचार कर रही है और निजी विश्वविद्यालयों, कालेजों से लेकर हर छात्र-छात्रा को इस तथाकथित विशाल धनराशि के लाभ का डंका पीट रही है, जबकि ये राशि प्रति छात्र-छात्रा एक पैसे से भी कम है। इस इन्वेस्टर्स समिट में वाहवाही लूटने के फेर में करोड़ों रुपये गंवाने के बाद भाजपा सरकार ने अब जनता से वसूली का प्लान बना लिया हैं।

# असंल में बने विवादित होटल सेंट्रम में जी20 कार्यक्रम के आयोजन पर उठे सवाल

» लखनऊ जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक कहावत काफी प्रचलित है कि 'अब पछ्ताए होत का, जब चिड़िया चुंग गई खेत'। इसका अर्थ है कि किसी बात पर बाद में पछतावा करे क्या फायदा, जब जो होना था वो गया। लेकिन अक्सर ये बात हमें तभी समझ आती है, जब चीजें हाथ से निकल जाती हैं। जैसे कि जब किसी बिल्डिंग का निर्माण हो रहा होता है, तब उसकी जांच नहीं की जाती है। बाद में जब उस बिल्डिंग में कोई हादसा होता है, तब पर्त दर पर्त उसके राज खुलते हैं।

राजधानी लखनऊ में हाल ही में अभी कुछ एक होटलों और बिल्डिंगों में इस तरह की अनदेखी के मामले सामने आए जिनमें पाया गया कि बिल्डिंग मानक के अनुरूप नहीं है या कोई और लापरवाही बरती गई। अब एक बार फिर एक होटल के मानक के अनुरूप न बने होने की बात सामने आ रही है। दरअसल, लखनऊ जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष उमाशंकर दुबे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में बताया गया है कि ऐसा पता चला है कि शहर के सुशांत गोल्फ सिटी अंसल स्थित बना सेंट्रम होटल मानक के अनुरूप नहीं बना है। अगर वास्तव में ऐसा है तो नक्सा पास होने से लेकर कम्प्लीशन सर्टिफिकेट तक, दायर की एनओसी से लेकर बिजली विभाग की एनओसी सहित अन्य मानकों पर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। बता दें कि ये वो ही होटल है जिसमें जी20 कार्यक्रम का मुख्य आयोजन होना है। ऐसे में आप खुद समझ सकते हैं कि इस होटल की महत्वा क्या है। जी20 के इस कार्यक्रम में कई देशों के प्रतिनिधि भाग लेने के लिए राजधानी लखनऊ में आएंगे, जो इस होटल में ही कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इस ज्ञापन में आगे उल्लेख किया गया कि राजधानी लखनऊ में पिछले दिनों होटलों में आग लगने, बिल्डिंगों के गिरने की घटनाएं हुई है, जिसको देखते हुए आप (सीएम योगी आदित्यनाथ) खुद बहुत गंभीर है और आपने अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्यवाही के भी निर्देश दिए हैं। ऐसे में सेंट्रम होटल जिसमें जी20 का इतना बड़ा कार्यक्रम होना है, सीएम से ये आग्रह है कि सुरक्षा कारणों को देखते हुए इस बात की जांच करना अति आवश्यक है कि क्या वास्तव में यह सेंट्रम होटल मानकों के विपरीत बना है? यदि ऐसा है तो लखनऊ विकास प्राधिकरण ने इसे नजरअंदाज क्यों किया। यह जांच का विषय है।

## मामले की कराई जाए जांच

यदि यह होटल मानक के अनुरूप नहीं बना है तो अनाधिकृत निर्माण में किसी इस तरह के सरकारी आयोजन खासकर जी20 जिसमें कई देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे है का किया जाना उचित नहीं है। इसलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ये निवेदन है कि उपरोक्त मामले की जांच किया जाए कि क्या वास्तव में सुशांत गोल्फ सिटी अंसल लखनऊ स्थित बना सेंट्रम होटल मानक के अनुरूप नहीं बना है और यदि ऐसा है तो इसे बनवाने में कौन से अधिकारी कर्मचारी जिम्मेदार हैं? उनके खिलाफ कार्यवाही की आवश्यकता है और यदि यह होटल मानक के अनुरूप नहीं बना है तो त्र 20 जैसे आयोजन को किसी अन्य होटल में किए जाने पर विचार करना चाहिए। फिलहाल ये वाकई में एक बड़ा मुद्दा है। राजधानी में लगातार ऐसे होटलों और बिल्डिंगों के निर्माण पर ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है? और सवाल ये भी कि उस समय इन बिल्डिंगों के निर्माण को स्वीकृति कैसे मिल जाती है? ऐसे कई सवाल हैं जो अधिकारियों समेत पूरी सरकार को घेरे में लेते हैं।

# सड़क हादसे में तीन दोस्तों की गई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। देवरिया जिले में रविवार देर रात सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई। ये तीनों अपने मित्र के हल्दी समारोह में गए थे। देर रात वापस बाइक से लौट रहे थे। तभी रास्ते में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। हादसा बरहज देवरिया मुख्य मार्ग पर हरनौढा पेट्रोल पंप के पास हुआ।

बरहज थाना क्षेत्र के करुअना निवासी सुरेंद्र चौहान (40), दुर्विजय चौहान (26) और राजू चौहान (32) रविवार को अपने मित्र की हल्दी समारोह में बरहज गए थे। देर रात ये तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर अपने घर को लौट रहे थे। तभी हरनौढा पेट्रोल पंप के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सुरेंद्र चौहान और राजू चौहान की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्विजय चौहान बुरी तरह घायल हो गया। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से घायल दुर्विजय चौहान को महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही तीनों के घर में कोहराम मच गया। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

# मुख्तार पर अब और भी कड़ी नजर

» बढ़ाई गईं बैरक की सुरक्षा, पल-पल की हरकतें होंगी कैमरे में कैद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भले ही उत्तर प्रदेश सरकार माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की मुश्किलें टाइट करने का दावा कर रही है, लेकिन हकीकत यह है कि उसकी बादशाहत जेल में भी कायम है। अभी चित्रकूट की जेल में बंद उसके विधायक बेटे अब्बास अंसारी की सेल में उसकी पत्नी बैठी मिली। यहीं नहीं, दो मोबाइल फोन व अन्य आपत्तिजनक सामान मिले।

इस खुलासे के बाद मचे हड़कंप को देखते हुए अब बांदा जेल में बंद मुख्तार की निगरानी बढ़ा दी गई है। मुख्तार पर नजर रखने के लिए 17 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पिछले ही साल विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष चंद्र मोहन ने मुख्तार अंसारी को लेकर सनसनीखेज बयान दिया था। उन्होंने जिला प्रशासन और राज्य सरकार को पत्र लिखकर बताया था कि जेल में बंद मुख्तार रोज रात में जेल से बाहर किराए के घर में चला जाता है।

# जम्मू-कश्मीर में विधानसभा सीटों के परिसीमन को एससी ने ठहराया सही

» प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा सीटों के परिसीमन को सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया है। इस प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 के निष्क्रिय होने के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पुनर्गठन का मसला उसके पास लंबित है। इस सुनवाई में उसने इस पहलू पर विचार नहीं किया है।

श्रीनगर के रहने वाले हाजी अब्दुल गनी खान और मोहम्मद अयूब मट्टू की याचिकाओं में कहा गया था कि परिसीमन में सही प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है। केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और चुनाव आयोग ने इस दलील को गलत बताया था। 13 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर नोटिस जारी किया था। तब भी कोर्ट ने साफ किया था कि सुनवाई सिर्फ परिसीमन पर होगी। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने से जुड़े मसले पर विचार नहीं किया जाएगा।

## साल 2022 में फैसला रखा गया था सुरक्षित

पिछले साल 1 दिसंबर को जस्टिस संजय किशन कौल और अभय एस ओका की बेंच ने फैसला सुरक्षित रखा था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पक्ष ने दलील दी थी कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा सीटों के परिसीमन के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता में आयोग का गठन संवैधानिक प्रावधानों के हिसाब से सही नहीं है।

# शिक्षा में लड़कियों की बढ़ती भागीदारी गर्व की बात

» बीबीएयू के 10वें दीक्षांत समारोह में बोलीं महामहिम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में 3 हजार 808 स्टूडेंट्स को डिग्री दी जा रही है। राष्ट्रपति 10 गोल्ड मेडलिस्ट स्टूडेंट्स को सम्मानित कर रही हैं। समारोह में उत्तर प्रदेश की गवर्नर आनंदीबेन पटेल और उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय भी मौजूद हैं।

महामहिम ने कहा कि मुझे बताया गया कि आज डिग्री पाने वाली 42 फीसद और मेडल पाने वाली 60 प्रतिशत लड़कियां हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियों की बढ़ती भागेदारी बेहद गर्व की बात है। इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मेरे लिए बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर भगवान के सामान हैं। उन्होंने कुछ ऐसा किया था कि आज मैं आपके सामने खड़ी हूं। आज विश्वविद्यालय आगे बढ़ रहा हैं। इसकी मैं सराहना करती हूं। बाबासाहब के जीवन मे जीतनी कठिनाई और चुनौतियों थी, उनकी कामयाबी भी उतनी ही ज्यादा बड़ी थी। उनका जीवन हमारे लिए प्रेरणा है। कल मैंने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन समारोह में भाग लिया। जिससे देश और प्रदेश दोनों को लाभ मिल रहा हैं। स्टार्ट अप के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर बने। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप करने वाला देश हैं। विश्वविद्यालय के सभी स्टूडेंट्स से मेरा कहना हैं कि इसका जरूर फायदा ले। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एससी-एसटी एडमिशन के लिए 50 प्रतिशत की छूट देना सराहनीय है। मुझे बिरसा मुंडा स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर का शुभारंभ करते समय बहुत खुशी हो रही है। बिरसा मुंडा के नाम पर स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर बनाने के लिए विश्वविद्यालय की पूरी टीम को बधाई देती हूं।

## इन्हें किया गया सम्मानित

इन लोगों को राष्ट्रपति के हाथ से मेडल मिला। इसमें यूपी पुलिस के डीजी ट्रेनिंग के पद पर तैनात साइबर सिक्योरिटी से एमएस करने वाले संजय तरडे, सोनम मीना एमएससी हॉर्टिकल्चर, आराध्या श्रीवास्तव (बीएससी फूड एंड साइंस टेक्नोलॉजी), शैली (एमएससी हॉर्टिकल्चर), दीक्षा संघमित्रा, आर्य अनुकुमार, सुरजीत कुमार (बीटेक इन कंप्यूटर इंजीनियरिंग) , दिलीप वर्मा, अमर दीप कुमार बादल के नाम शामिल है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।